Series : WYX2Z

SET ~ 3

प्रश्न–पत्र कोड **29/2/3**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **13** प्रश्न हैं ।

(III) प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

~

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **13** है ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खंड हैं - **खंड-'क', 'ख'** और **'ग'** ।*

(iii) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

(iv) *दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खंड – क
(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(10)**

जंगल मूल रूप से पेड़-पौधों की विभिन्न प्रजातियों से आच्छादित भूमि का एक टुकड़ा है । प्रकृति की ये ख़ूबसूरत रचनाएँ विभिन्न प्रजाति के जीव-जंतुओं के लिए घर का काम करती हैं । वन पारिस्थितिक तंत्र का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं । दुर्भाग्य से शीतलता और हरियाली के प्रतीक माने जाने वाले ये जंगल पूरे विश्व में इन दिनों धधक रहे हैं । ऐसा नहीं है कि दावानल की घटनाएँ पहले नहीं होती थीं लेकिन वर्तमान में ये समस्या विकराल रूप में सामने आने लगी है । इसकी कुछ खास वजह हैं ।

पहली वजह, जलवायु परिवर्तन के कारण 'ड्राई पीरियड' यानी सूखे की अवधि बढ़ गई है । तापमान बढ़ रहा है जिसके कारण नमी कम हो रही है । नतीजतन जंगलों में सूखी पत्तियाँ या

टहनियाँ आसानी से दहक उठती हैं । दूसरी वजह है कि 1000 मीटर की ऊँचाई से ऊपर हरे पेड़ों की व्यावसायिक रूप से कटाई प्रतिबंधित कर दी गई । इसका नुकसान यह हुआ कि चीड़ के पेड़ों की संख्या असीमित हो गई । चीड़ दरअसल ऐसा पेड़ है जो आग बढ़ाने में सहायक माना जाता है । मार्च–अप्रैल से चीड़ की पत्तियाँ सूखकर नीचे गिरने लगती हैं और तापमान में वृद्धि होने पर आग के फैलाव का एक बड़ा कारण बनती है ।

तीसरी वजह है, जंगलों से लोगों का रिश्ता खत्म हो रहा है । पहले लोगों का अपने आसपास के जंगलों से करीबी रिश्ता होता था । वे वनोपज से अपना गुजारा करते थे इसके बदले में जंगलों का प्रबंधन किया करते थे । लेकिन अब लोगों ने खुद को इससे अलग कर लिया । इसके कारण वन बढ़ते हुए गाँवों तक पहुँच गए, जो दावानल की चौथी वजह है । अब अव्वल तो पहाड़ी गाँवों में लोग रहते नहीं, और जो रहते हैं उनके घरों में ईंधन संबंधी, ऊर्जा संबंधी सुविधाएँ बढ़ने से जंगलों पर उनकी निर्भरता कम होने लगी है । नतीजतन वे वनों को नियंत्रित करने में खास रुचि नहीं रखते ।

इस समस्या के समाधान के लिए मजबूत इच्छाशक्ति के साथ सामूहिक रूप से सही दिशा में कदम उठाना होगा ।

(i) जंगलों को शीतलता और हरियाली का प्रतीक क्यों माना जाता है ? **1**

(A) पेड़–पौधों की हरियाली मन को शांति पहुँचाती है ।

(B) पेड़–पौधे धरती के तापमान को नियंत्रित रखते हैं ।

(C) पेड़–पौधों की हरियाली तन–मन को ठंडक पहुँचाती है ।

(D) पेड़–पौधों की हरियाली वातावरण को सुंदरता प्रदान करती है ।

(ii) सूखे की अवधि बढ़ने से क्या अभिप्राय है ? इस प्रश्न के उत्तर में दिए गए कथनों में से कौन सा/से कथन सत्य हैं ? **1**

(I) लंबे समय तक वर्षा का न होना ।

(II) पेड़-पौधों पर फल-फूलों का न होना ।

(III) लंबी अवधि तक तापमान का गरम बने रहना ।

(IV) हवा में नमी की मात्रा का कम होना ।

(A) केवल (I)

(B) केवल (III)

(C) (I) और (IV) दोनों

(D) (II) और (III) दोनों

(iii) निम्नलिखित **कथन** तथा **परिणाम** को ध्यानपूर्वक पढ़िए । उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए । **1**

कथन : जलवायु परिवर्तन के कारण धरती का तापमान बढ़ रहा है ।

परिणाम : वातावरण में नमी कम हो रही है और दावानल की घटनाएँ बढ़ रही हैं ।

(A) कथन सही है किंतु परिणाम गलत है ।

(B) कथन तथा परिणाम दोनों गलत हैं ।

(C) परिणाम सही है किंतु कथन गलत है ।

(D) कथन तथा परिणाम दोनों सही हैं ।

(iv) 'वनोपज' से क्या अभिप्राय है ? उदाहरण सहित लिखिए । 1

(v) जंगल की आग अब रिहायशी इलाकों तक क्यों पहुँचने लगी है ? 2

(vi) मनुष्य का जंगलों से रिश्ता खत्म होने के क्या दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं ? 2

(vii) बढ़ते तापमान का जंगलों की आग से क्या संबंध है ? 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (8)

कल थे कुछ हम बन गए आज अनजाने हैं,
सब द्वार बंद, टूटे संबंध पुराने हैं
हम सोच रहे यह कैसा नया समाज बना
जब अपने ही घर में हुए हम बिराने हैं ।

है आधी रात अर्ध जग पड़ा अँधेरे में,
सुख की दुनिया सोती, रंगों के घेरे में,
पर दु:ख का इन्सानी दीपक जलकर कहता
अब ज्यादा देर नहीं है, नए सवेरे में ।

हम जीवन की मिट्टी में मिले सितारे हैं
हम राख नहीं हैं राख ढके अंगारे हैं
जो अग्नि छिपा रखी है हमने यत्नों से
हर बार धरा पर उसने प्रलय उतारे हैं ।

(i) 'है आधी रात अर्ध जग पड़ा अँधेरे में' – पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि अँधेरे में जगने वाला 'आधा जग' कौन है ? 1

(A) स्त्री वर्ग (B) युवा वर्ग

(C) शोषित वर्ग (D) कृषक वर्ग

(ii) 'मिट्टी में मिले सितारे' से क्या अभिप्राय है ? 1

(A) सितारों का मिट्टी में मिल जाना

(B) धूल–मिट्टी में लिपटे अनमोल हीरे

(C) गरीबी में पले–बड़े क्रांतिवीर

(D) मिट्टी में पलने–बढ़ने वाले बच्चे

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए । उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए । 1

कथन : सुविधाभोगी संपन्न वर्ग अपने महलों में सुखी जीवन व्यतीत कर रहा है ।

कारण : आधा संसार अर्ध रात्रि में भी जागकर उनकी रक्षा कर रहा है ।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है ।

(B) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।

(C) कथन सही है किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है ।

(D) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(iv) 'हम सोच रहे …… हम बिराने हैं ' – पंक्ति क्या संकेत करती है ? 1

(v) 'हम राख नहीं हैं राख ढके अंगारे हैं' – पंक्ति का क्या आशय है ? 2

(vi) 'हर बार धरा पर हमने प्रलय उतारे हैं' – पंक्ति के संदर्भ में शोषित वर्ग के सामर्थ्य का उल्लेख कीजिए । 2

खंड – ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(5)**

(क) पत्रकारिता की भाषा में 'डेड लाइन' से आप क्या समझते हैं ?
(शब्द सीमा – लगभग **20** शब्द) **1**

(ख) आर्थिक मामलों के पत्रकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती किसे माना जाता है ?
(शब्द सीमा – लगभग **40** शब्द) **2**

(ग) संचार का सबसे पुराना और लोकप्रिय माध्यम होने पर भी समाचार-पत्रों की तुलना में टी.वी. की लोकप्रियता का कारण लिखिए। (शब्द सीमा – लगभग **40** शब्द) **2**

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए : **2 × 3 = 6**

(क) फीचर लेखन का निश्चित ढाँचा या फार्मूला नहीं होता, फिर भी एक सजीव रोचक फीचर कैसे लिखा जा सकता है ?

(ख) क्या पत्रकारीय लेखन को जल्दी में लिखा गया साहित्य माना जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग कैसे है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(क) कविता लेखन के संदर्भ में छंद से क्या अभिप्राय है ? कविता रचना में इसका महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

(ख) "स्थिति तथा परिवेश की माँग के अनुसार क्लिष्ट भाषा में भी लिखे गए संवाद दर्शकों तक आसानी से संप्रेषित हो जाते हैं।" उदाहरण सहित इसकी पुष्टि कीजिए।

(ग) कहानी का हमारे जीवन से क्या संबंध है ? वर्णन कीजिए।

6. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **100** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **5**

(क) ओलंपिक खेलों में भारत का प्रदर्शन

(ख) साप्ताहिक बाज़ार में जब मैंने एक बच्चे को रोते देखा

(ग) मुझे कक्षा का मॉनिटर बनना क्यों पसंद है !

खंड – ग

(पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल पर आधारित)

7. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में दीजिए : **2 × 2 = 4**

(क) " 'सरोज–स्मृति' कविता के आधार पर लिखिए कि सरोज का विवाह करते समय निराला जी को 'शकुंतला' का स्मरण क्यों हो आया ?

(ख) 'वसंत आया' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

(ग) प्रेम अनुभूति का वर्णन करना नायिका के लिए कठिन क्यों है ? विद्यापति रचित 'पद' के आधार पर लिखिए ।

8. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

बिधि न सकेउ सहि मोर दुलारा । नीच बीचु जननी मिस पारा ।।
यहउ कहत मोहि आजु न सोभा । अपनी समुझि साधु सुचि को भा ।।
मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर अस आनत कोटि कुचाली ।।
फरइ कि कोदव बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।।
सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू । मोर अभाग उदधि अवगाहू ।।
बिनु समुझें निज अघ परिपाकू । जारिउँ जायँ जतनि कहि काकू ।।
हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा । एकहि भाँति भलेंहि भल मोरा ।।
गुरु गोसाईं साहिब सिय रामू । लागत मोहि नीक परिनामू ।।

(i) भरत अपने और राम के बिछोह का कारण किसे मानते हैं ?

(A) कैकेयी को

(B) दशरथ को

(C) भाग्य को

(D) राजगद्दी को

(ii) काव्यांश में 'करोड़ों दुराचारों' जैसा किसे कहा गया है ?

(A) कैकेयी द्वारा राम को वनवास के लिए भेजना ।

(B) माँ को दोषी कहना और स्वयं को सदाचारी कहना ।

(C) गुरुजनों के बीच सभा में बोलना ।

(D) राम के स्थान पर गद्दी पर बैठना ।

(iii) 'कोदो के पौधे से शालिधान की बाली कैसे आएँगी' इस भाव से मिलती-जुलती कहावत है –

(A) कोयले की दलाली में मुँह काला

(B) दूध का दूध पानी का पानी

(C) जैसी करनी वैसी भरनी

(D) बोए पेड़ बबूल के तो आम कहाँ से होय

(iv) राम के लिए वनवास की इच्छा का दोषी काव्यांश में बताया गया है –

(A) भरत के दुर्भाग्य की लहर

(B) कैकेयी का भरत के प्रति प्रेम

(C) कैकेयी का भरत और राम के प्रेम को न समझना

(D) राजा दशरथ द्वारा कैकेयी को दिए वरदान

(v) इस काव्यांश के मूल भाव को दर्शाने वाला कथन है –

(A) राम के स्वभाव की विशेषता व भाई के प्रति प्रेम

(B) भरत का आत्मपरिताप और राम के प्रति प्रेम

(C) माता कैकेयी द्वारा किए अपराध के लिए क्षमा याचना

(D) माता कैकेयी को क्षमा कर अयोध्या लौटने की प्रार्थना

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

(क) एहि मास उपजै रस मूलू । तूँ सो भँवर मोर जोबन फूलू ।।

नैन चुवहिं जस माँहुट नीरू । तेहि जल अंग लाग सर चीरू ।।

टूटहिं बुंद परहिं जस ओला । बिरह पवन होई मारैं झोला ।।

केहिक सिंगार को पहिर पटोरा । गियँ नहिं हार रही होइ डोरा ।।

अथवा

(ख) जो है वह खड़ा है

बिना किसी स्तंभ के

जो नहीं है उसे थामे है

राख और रोशनी के ऊँचे-ऊँचे स्तंभ

आग के स्तंभ

और पानी के स्तंभ

धुएँ के

खुशबू के

आदमी के उठे हुए हाथों के स्तंभ

किसी अलक्षित सूर्य को

देता हुआ अर्घ्य

शताब्दियों से इसी तरह

गंगा के जल में

अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर

अपनी दूसरी टाँग से

बिलकुल बेखबर !

10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : **5 × 1 = 5**

एक मिल मालिक के दिमाग में अजीब-अजीब ख़याल आया करते थे जैसे सारा संसार मिल हो जाएगा, सारे लोग मजदूर और वह उनका मालिक या मिल में और चीजों की तरह आदमी भी बनने लगेंगे, तब मज़दूरी भी नहीं देनी पड़ेगी, वगैरा-वगैरा । एक दिन उसके दिमाग में ख़याल आया कि अगर मज़दूरों के चार हाथ हो तो काम कितना तेज़ी से हो और मुनाफ़ा कितना ज़्यादा । लेकिन यह काम करेगा कौन ? उसने सोचा, वैज्ञानिक करेंगे, ये किस मर्ज़ की दवा ? उसने यह काम करने के लिए बड़े वैज्ञानिकों को मोटी तनख्वाहों पर नौकर रखा और वे नौकर हो गए । कई साल तक शोध और प्रयोग करने के बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि ऐसा असंभव है कि आदमी के चार हाथ हो जाएँ । मिल मालिक वैज्ञानिकों से नाराज़ हो गया । उसने उन्हें नौकरी से निकाल दिया और अपने-आप इस काम को पूरा करने के लिए जुट गया ।

(i) गद्यांश का वर्ण्य विषय है –

(A) शोषक वर्ग की मनोवृत्ति को उजागर करना ।

(B) मज़दूरों पर हो रहे शोषण को उजागर करना ।

(C) मिल मालिक की कुशाग्र बुद्धि का परिचय देना ।

(D) वैज्ञानिकों की असफलता को स्पष्ट करना ।

(ii) मिल मालिक के दिमाग में तरह-तरह के ख़याल क्यों आया करते थे ?

(A) उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए

(B) मज़दूरों का शोषण करने के लिए

(C) अर्थव्यवस्था में सहयोग देने के लिए

(D) अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए

(iii) मिल मालिक की मिल में आदमी बनाने की कल्पना का कारण था –

(A) रोज़–रोज़ की मज़दूरों की झिक–झिक से छुटकारा ।

(B) कुशल मज़दूरों को ढूँढ़ने की परेशानी से छुटकारा ।

(C) मज़दूरों को दी जाने वाली मज़दूरी से छुटकारा ।

(D) तकनीकी सुविधा का लाभ उठाना ।

(iv) मिल मालिक ने वैज्ञानिकों को नौकरी पर क्यों रखा ?

(A) अपने काम की सुविधा के लिए

(B) मज़दूरों के चार हाथ लगाने के लिए

(C) मशीनी मज़दूर बनाने के लिए

(D) उत्पादन की नई तकनीक खोजने के लिए

(v) निम्नलिखित **कथन** तथा **परिणाम** को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : वैज्ञानिकों ने कई साल तक शोध और प्रयोग करने के बाद आदमी के चार हाथ हो जाने की कल्पना को नकार दिया ।

परिणाम : वैज्ञानिकों को मिल मालिक ने नौकरी से निकाल दिया और स्वयं कोशिश करने लगा ।

(A) कथन गलत है किंतु परिणाम सही है ।

(B) कथन तथा परिणाम दोनों गलत हैं ।

(C) कथन सही है किंतु परिणाम गलत है ।

(D) कथन तथा परिणाम दोनों सही हैं ।

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में दीजिए : **2 × 2 = 4**

(क) 'प्रेमघन चौधरी एक खासे हिंदुस्तानी रईस थे ।' 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ख) 'अतिथि देवो भव' की भावना का साकार रूप लेखक को यास्सेर अराफ़ात के आतिथ्य सत्कार में कैसे दिखाई दिया ?

(ग) 'पहचान' कहानी के संदर्भ में लिखिए कि राजा की सफलता का क्या राज है ?

12. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

(क) हरगोबिन ने कुछ नहीं खाया । खाया नहीं गया ।

संवदिया डटकर खाता है और 'अफर' कर सोता है, किंतु हरगोबिन को नींद नहीं आ रही है । .... यह उसने क्या किया ? क्या कर दिया ? वह किसलिए आया था ? वह झूठ क्यों बोला ? .... नहीं, नहीं सुबह उठते ही वह बूढ़ी माता को बड़ी बहुरिया का सही संवाद सुना देगा – अक्षर-अक्षर, 'मायजी, आपकी इकलौती बेटी बहुत कष्ट में है । आज ही किसी को भेजकर बुलावा लीजिए । नहीं तो वह सचमुच कुछ कर बैठेगी । आखिर, किसके लिए वह इतना सहेगी ! ... बड़ी बहुरिया ने कहा है, भाभी के बच्चों की जूठन खाकर वह एक कोने में पड़ी रहेगी... !'

रात भर हरगोबिन को नींद नहीं आई ।

आँखों के सामने बड़ी बहुरिया बैठी रही – सिसकती, आँसू पोंछती हुई ।

अथवा

(ख) यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है । इसीलिए यह इतना आकर्षक है । नाम है कि हज़ारों वर्ष से जीता चला आ रहा है । कितने नाम और गए । दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए । मगर कुटज है कि संस्कृत की निरंतर स्फीयमान शब्द राशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है । और रूप की तो बात ही क्या है ! बलिहारी है इस मादक शोभा की । चारों ओर कुपित यमराज के दारुण नि:श्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए : **2 × 5 = 10**

(क) 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में.....' पाठ में विक्रमादित्य, भोज और मुंज आदि राजाओं का उल्लेख किस संदर्भ में आया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) झोंपड़ी जला दिए जाने के बाद भी सूरदास का किसी से प्रतिशोध न लेना, उसके स्वभाव की किस विशेषता को दर्शाता है ? सूरदास जैसे चरित्र की वर्तमान समय में क्या प्रासंगिकता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'इसे 'सेस', 'सारद' भी नहीं बयान कर सकते' – 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में यह कथन किस संदर्भ में कहा गया ? इसका क्या आशय है ? इस संदर्भ में अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।